ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

15-11-2022

आपस में दिलों के मिलन से संस्कारों को मिलाना है, इसके लिए कुछ मिटाना पड़ेगा, कुछ भुलाना पड़ेगा, कुछ समाना पड़ेगा – तब यह संस्कार मिल जायेंगे। यह है अन्तिम सिद्धि का स्वरूप। जब एक अनेकों को सम्पूर्ण संस्कार वाले बना दो, सभी के संस्कारों में बापदादा के संस्कार देखने में आयें तब प्रत्यक्षता के नगाड़े बजेंगे और समाप्ति होगी।

Now transform the old nature and old sanskars.

Along with the meeting of hearts, there also has to be a meeting of sanskars. For this, you have to sacrifice some things, forget some things and merge some things. Only then will your sanskars harmonise. This is the form of the final success. When each one of you makes the sanskars of others perfect, so that BapDada's sanskars are visible in everyone's sanskars, the drums of revelation will beat and completion will take place.